



यदि आपका प्रिय सौ बार रुठे तो भी रुठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए, क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार-बार धागे में पिरो लेना चाहिए।

-रहीम दास

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्ष: 12 ● अंक 235 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 3 अक्टूबर, 2026

पुरुष क्रिकेट टीम ने दिलाया 19वां... **7** जमू-कश्मीर फिर सियासी पारा... **3** जेनजी और पीडीए मिलकर बीजेपी... **2**

टिबरेवाल का खेल, लंदन का मेल... हजारों करोड़ और लखनऊ की वर्चस्व मीडिया कंपनी अक्षत को भारत लाने की कोशिश क्यों नहीं कर रही ईडी!

- » महादेव एप का सबसे बड़ा खिलाड़ी है टिबरेवाल
- » मारीशस की कंपनियों से भारत आ रहा है हजारों करोड़ रुपया
- » अबतक की सबसे अहम खबर शातिर टिबरेवाल एंड संस कैसे शेयर बाजार में आग लगा कर अर्थव्यवस्था को कर रहे हैं तहस नहस

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। नाम तो आपने सुना होगा हरिशंकर टिबरेवाल, फ्राड, हवाला नेटवर्क और वित्तीय धोखाधड़ी का मास्टर माइंड जोकि लंदन में अपने बेटे अक्षत टिबरेवाल और अपने गिरोह के दूसरे सदस्यों के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को तार तार कर करोड़ों/अरबों कमा रहा है।

टिबरेवाल के उपर केस दर्ज है और उसे ईडी को अबतक लंदन से भारत ले आना चाहिए था लेकिन वह अपने ऊंचे कनेक्शन के बल पर बचता आ रहा है। रोज नित्य नये खुलासे हो रहे हैं जांच एजेंसियां और अदालतें आदेश पर आदेश दे रही है लेकिन कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा। चर्चाएं हैं कि उसकी पकड़ सीधे पीएमओ और उससे आगे तक है... उसी टिबरेवाल की इस पूरे कॉकस पर 4PM न्यूज नेटवर्क ने पूरे जोखिम के साथ सच को सामने लाया है। टिबरेवाल उसका ताजा अपराध और लखनऊ के नेहरू एनक्लेव में चल रही वर्चस्व मीडिया कंपनी की कहानी।

पैसे की कहानी में हर मोड़ पर नया ट्विस्ट

रिश्ते अब सपाट नहीं रहे पैसे की कहानी में हर मोड़ पर नया ट्विस्ट है। एक तरफ विदेशी फंडों की लंबी कतार दूसरी तरफ भारतीय कंपनियों में निवेश बीच में दुबई और लंदन की बैठकें और फिर शेयर बाजार में ऐसा खेल जिसमें भाव ऊपर जाए तो बल्ले-बल्ले और नीचे आये तो और भी ज्यादा फायदा। अब इस पूरी कहानी में 765.77 करोड़ रुपये का अंकड़ा भी सामने आया है। रायपुर की विशेष अदालत के 29 सितंबर के आदेश में ईडी की ओर से लगाए गए आरोपों का जिक्र है कि विदेशी संस्थाओं के जरिए इतनी बड़ी रकम ऐसे नेटवर्क तक पहुंची जिसका सीधा

कनेक्शन हरिशंकर टिबरेवाल से है। कहानी यही खत्म नहीं होती कहानी का अगला सीन लंदन में खुलता है। टिबरेवाल के बेटे अक्षत टिबरेवाल के ब्रिटेन में कारोबार और उसमें लगी बड़ी पूंजी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पैसा कहां से आ रहा है किसके जरिए लाया जा रहा है और कारोबार में किस किसका पैसा लगाया जा रहा है और क्या इसका कोई सिरा उस वित्तीय नेटवर्क तक पहुंचता है जिसकी जांच ईडी कर रही है।

हरिशंकर टिबरेवाल

अक्षत टिबरेवाल

भंडारी ने भारतीय कंपनियों के नाम ईडी को बताये हैं

भंडारी के बयान में जिन भारतीय कंपनियों के नाम सामने आये हैं उनमें एबिलिटी गेम्स, बीएलबी, निश्चय ट्रेडिंग, कान्तिनाल घनलाल, स्वर्णभूमि वाणिज्य, एबिलिटी स्मार्ट टेक, ड्रीम अचीवर्स कंसल्टेंसी आदि। बयान में दावा किया गया है कि इनमें से कुछ भारतीय संस्थाएं टिबरेवाल से जुड़े एजेंटों के नियंत्रण में थीं और उसके निर्देश पर निवेश करती थीं। अब कहानी यहां से और गंभीर हो जाती है। कि किसी सूचीबद्ध कंपनी को पैसा चाहिए होता था तो उसके प्रवर्तकों से संपर्क किया जाता था। फिर प्रस्ताव टिबरेवाल तक जाता था। इसके बाद दुबई लंदन या श्रीलंका में बैठकें होती थीं और सौदे की शर्तें तय होती थी। भंडारी के बयान में कहा गया कि कुछ शेयरों के दाम दो से पांच गुना तक बढ़ने के बाद टिबरेवाल से जुड़ी संस्थाएं अपनी हिस्सेदारी बाजार में बेचती थीं जिससे छोटे निवेशक धराशाही हो जाते थे। क्योंकि अगर किसी शेयर का भाव ऊपर जा रहा है तो आम निवेशक उसे कंपनी की तरक्की का संकेत मानता है।

भारत में करोड़ों रुपये के धन प्रवाह और शेयर बाजार में हेरफेर

एक तरफ विदेशी फंड है तो दूसरी तरफ भारतीय कंपनियां बीच में दुबई लंदन और श्रीलंका में बैठकों का दौर और फिर शेयर बाजार में दाम बढ़ने के बाद हिस्सेदारी बेचने के किस्से। अब इसी कहानी में एक और नाम जुड़ रहा है और वह नाम है अक्षत टिबरेवाल का लंदन में कंपनियों कारोबार संपत्तियां और सवाल सीधा है कि जिस नेटवर्क पर भारत में करोड़ों रुपये के धन प्रवाह और शेयर बाजार में हेरफेर के आरोपों की जांच चल रही है क्या जांच की कोई कड़ी लंदन तक भी पहुंचती है। हम यह नहीं कह

रहे कि अक्षत का कारोबार गैरकानूनी है। हम यह भी नहीं कह रहे कि हरिशंकर टिबरेवाल से जुड़े आरोप साबित हो चुके हैं। हम सिर्फ दस्तावेजों के आधार पर सवाल पूछ रहे हैं कि पैसा कहां से आया? किसके जरिए लाया गया? पूरा खेल किसके नियंत्रण में था? और आखिर फायदा किसे हुआ? क्योंकि बात अब 765 करोड़ रुपये से ऊपर तक पहुंच चुकी है। ईडी के रायपुर कार्यालय में 8 मई 2025 को सुनील भंडारी का बयान दर्ज होता है जिसमें उन्हें श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड का पूर्णकालिक निदेशक बताया गया है और

बयान धनरोधन निवारण कानून की धारा 50 के तहत दर्ज होने की बात कही गई है। भंडारी के बयान में कई विदेशी संस्थाओं का जिक्र है। दुबई, सिंगापुर, मलेशिया और लंदन बयान में दावा किया गया है कि इनमें से कुछ कंपनियां हरिशंकर टिबरेवाल के नियंत्रण और स्वामित्व में थीं और भारतीय कंपनियों में निवेश करती थीं। बयान में नॉर्थ स्टार ऑप्टिनिटीज फंड, कोयस ग्लोबल ऑप्टिनिटीज फंड, सिवस्टीन स्ट्रीट ग्लोबल फंड, थी सिवना कैपिटल और कैप्री ग्लोबल कैपिटल जैसे नाम शामिल किये गये हैं।

आगे कई और विदेशी संस्थाओं के नाम भी दर्ज हैं। कुछ संस्थाओं के सामने बालू फोर्ज और स्वान एनर्जी जैसी कंपनियों में निवेश का उल्लेख भी है। यहां यह बताना जरूरी है कि किसी कंपनी का नाम दस्तावेज में आ जाना अपने आप में अपराध साबित नहीं होता यही वजह है कि असली सवाल नानों की लंबी सूची में नहीं है बल्कि असली सवाल है कि इन कंपनियों का असली नियंत्रण किसके पास था? पैसा किसका था? निवेश का फैसला कौन करता था और मुनाफा किसकी जेब में जाता था?

अब आते हैं अक्षत टिबरेवाल पर

अक्षत टिबरेवाल जोकि हरिशंकर टिबरेवाल का बेटा है ब्रिटेन के कंपनी रिकॉर्ड से जुड़े विवरणों के मुताबिक अक्षत की कई कारोबारी संस्थाओं में निदेशक और

महत्वपूर्ण नियंत्रण वाली भूमिका बताई गई है। अब सवाल यह है कि अक्षत टिबरेवाल के कारोबारों की शुरुआती पूंजी कहां से आयी। अपनी कमाई निवेशक

बैंक परिवार या कोई विदेशी वित्तीय व्यवस्था सिर्फ कम उम्र में कंपनी बनाना कोई अपराध नहीं है लेकिन जब दूसरी तरफ उसी परिवार से जुड़े व्यक्ति पर

भारत में गंभीर वित्तीय आरोपों की जांच चल रही हो तब पूंजी के स्रोत की पड़ताल एक वैध जांच प्रश्न बन जाता है। और सबसे महत्वपूर्ण बात है भंडारी के बयान।

4PM सवाल पूछता है कि क्या जांच एजेंसियों ने इस कड़ी को जांचा अगर जांचा है तो नतीजा क्या निकला अगर नहीं जांचा तो क्यों नहीं जांचा।

खुलासे बढ़े तो खतरा भी बढ़ा संजय शर्मा की जान को लेकर गंभीर सवाल

4PM न्यूज नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा लगातार नए दस्तावेज और नए सवाल सामने रख रहे हैं। टिबरेवाल पर हर खुलासे के साथ कहानी बड़ी होती जा रही है और अब मामला सिर्फ शेयर बाजार विदेशी फंड या करोड़ों के लेनदेन तक सीमित नहीं रह गया है। बात

इससे आगे निकल चुकी है और संपादक संजय शर्मा ने अपनी जान को खतरा बताया है। अगर कोई पत्रकार किसी बड़े वित्तीय नेटवर्क से जुड़े दस्तावेज सामने रख रहा है विदेशी संस्थाओं के नाम बता रहा है धन प्रवाह और शेयर बाजार में हेरफेर के तरीकों पर सवाल उठा

रहा है और इसके बाद खुद अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहा है तो संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि उपलब्ध दस्तावेजी सामग्री में ईडी की जांच से जुड़े एक बयान में विदेशी संस्थाओं भारतीय कंपनियों दुबई लंदन

जैसी जगहों पर बैठकों और शेयरों की कीमत बढ़ने के बाद हिस्सेदारी बेचने जैसे आरोप दर्ज हैं। इसके बाद रायपुर की विशेष अदालत के 29 सितंबर 2026 के आदेश में 765 करोड़ 77 लाख रुपये के विदेशी धन प्रवाह का उल्लेख भी सामने लाया है।

जेनजी और पीडीए मिलकर बीजेपी का पत्ता साफ करेंगे : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख का भाजपा पर वार जारी, जेनजी के ट्रेंड में रंगे, बोले- एक कचौड़ी दो समोसा, भाजपा पर नहीं भरोसा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर एकबार फिर करारा हमला किया। इसबार उन्होंने हमला बोलने के लिए नई पीढ़ी का ट्रेंड अपनाया। जेन-जी के प्रोटेस्ट में लग रहे नारों को तोड़-मरोड़ कर अखिलेश यादव ने उन्हें बीजेपी के खिलाफ इस्तेमाल किया।

दरअसल, सपा प्रमुख ने कहा- एक कचौड़ी दो समोसा, बीजेपी पर नहीं भरोसा। उनके यह बयान चर्चा का विषय बन गया है।

जेन-जी से समर्थन की मांग करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, आने वाले समय में जेनजी और पीडीए मिलकर बीजेपी का पत्ता साफ कर देंगे। दिल्ली में आपने सुना होगा, एक कचौड़ी, दो समोसा- बीजेपी पर नहीं भरोसा। इतना ही नहीं, पीएम मोदी के जेन-जी सम्मेलन पर अखिलेश यादव ने कहा, हमने भजन जैमिंग की बात कही थी, किसी ने सुनके कर दिया, अब हम जल्द ही नौजवानों के लिए कार्यक्रम करेंगे। उनके लिए मैनिफेस्टो में बहुत कुछ होगा।

वहीं, राज्यसभा चुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने यूपी के विधायकों से अपने तीसरे प्रत्याशी को जिताने की



डिप्टी सीएम ने अस्पतालों को ही बीमार कर दिया

हाल ही में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने युवाओं से कहा था कि नौकरी खोजने के बजाय अपना ई-रिक्शा चलाओ और पैसे कमाओ। इससे अपने परिवार और बच्चों को जब मन समय दे सकोगे, अगर किसी और की नौकरी करोगे तो अपने बच्चों को समय कहां दे पाओगे? इसके जवाब में अखिलेश यादव ने कहा, हमारे डिप्टी सीएम को ई-रिक्शा बुक करना चाहिए, ये वही डिप्टी सीएम हैं जिन्होंने अस्पतालों को ही बीमार कर दिया है, अस्पतालों को इलाज की जरूरत है।

अपील की है। उन्होंने कहा है कि जिन्हें भी बीजेपी को हराना है, वो आगे आ सकते हैं। सपा सभी का स्वागत करती है। इसी के साथ

अखिलेश यादव ने यह भी दावा किया कि कुछ विधायक उनके संपर्क में पहले से हैं जो सपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग करने के लिए तैयार हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक में क्यों नहीं गए अखिलेश बताएं : ओम प्रकाश राजभर

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी अपने सहयोगी अखिलेश यादव से पूछें कि वह इंडिया गठबंधन की बैठक में क्यों शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा नामांकन की अंतिम तारीख छह अक्टूबर है, फिर अखिलेश ने एक दिन पहले नामांकन करने की वया जल्दी थी। राजभर के मुताबिक, अखिलेश खुद नहीं जा सकते थे तो डिपल यादव या धर्मेन्द्र यादव को बैठक में भेज सकते थे। दोनों नामांकन में भी शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि अखिलेश ऑनलाइन माध्यम से भी बैठक में जुड़ सकते थे, जैसा अन्य नेताओं ने किया। राजभर ने यह भी कहा कि राहुल गांधी बैठक कर रहे थे, जबकि अखिलेश प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर राजभर ने राहुल गांधी के आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह फरवरी 2025 में मुख्य चुनाव आयुक्त बने, जबकि हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनाव इससे पहले हो चुके थे। उन्होंने राहुल से आरोप लगाने के बजाय जनता के बीच जाने को कहा। राजभर ने योगी सरकार के गांवों के विकास का हिसाब जनता के सामने रखने का दावा करते हुए अखिलेश से भी अपने शासन का हिसाब देने को कहा। उन्होंने ग्राम सचिवालयों, डिजिटल व्यवस्था, पारदर्शिता और स्थानीय योजनाएं का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास अब जरूरत के आधार पर हो रहा है।

मुझ पर भरोसा जताने के लिए पार्टी का आभार: आराधना

अजय राय हटे, मोना यूपी कांग्रेस की नई अध्यक्ष, इमरान मसूद कार्यकारी अध्यक्ष

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की नई प्रदेश अध्यक्ष बनाई गई आराधना मिश्रा मोना ने स्वीकार किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में उन्हें तुरंत जमीन पर उतरना होगा, क्योंकि उनकी पार्टी 1989 के बाद से लगातार खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने की कोशिश में है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मोना ने कहा, मैं अपनी पार्टी की आभारी हूँ कि उसने मुझपर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के लिए भरोसा जताया। मुझे उम्मीद है कि हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश में सार्थक बदलाव ला पाएंगे। मोहसिना किदवाई और रीता बहुगुणा जोशी के लंबे समय बाद मोना प्रदेश कांग्रेस की कमान संभालने वाली महिला नेता होंगी।

वह ब्राह्मण समुदाय से आती हैं। उन्होंने कहा, मैं पार्टी के लिए अपनी बेहतर कोशिश करूंगी। उन्होंने यह भी माना कि चुनाव नजदीक होने से उन्हें नई भूमिका में तेजी से ढलना होगा। उन्होंने कहा, समय के लिहाज से आप ऐसा कह सकते हैं, लेकिन यह मत



वीरेंद्र सिंह चौधरी कांग्रेस विधायक दल के नेता होंगे

वीरेंद्र सिंह चौधरी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में मोना की जगह लेंगे। महाराजगंज जिले की फरेदा सीट से विधायक वीरेंद्र चौधरी ने 2024 में केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के खिलाफ लोकसभा चुनाव कांग्रेस-सपा गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर लड़ा, लेकिन पराजित हो गए थे। अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कुर्मी बिरादरी से आने वाले वीरेंद्र चौधरी को मौका देकर कांग्रेस ने जातीय संतुलन बनाने की भरपूर कोशिश की है।

लड़ाई अभी भी जारी है : अजय राय

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाए गए अजय राय ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा- लड़ाई अभी भी जारी है। पार्टी के फैसले पर अजय राय ने प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया वॉच एक्स पर लिखा- मुझ जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी देने के लिए मैं राहुल गांधी और कांग्रेस थीर्ष नेतृत्व का जीवनभर आभारी रहूंगा। लड़ाई अभी भी जारी है। नए अध्यक्ष सहित सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। लड़ेंगे, जीतेंगे! हर-हर महादेव! शुभकामनाएं। लड़ेंगे, जीतेंगे! हर-हर महादेव!



भूलिए कि हमने पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में काफी मेहनत की है। वंही इमरान मसूद को अब पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। जहां कांग्रेस विधायक दल की नेता रहीं मोना के समाजवादी पार्टी समेत सभी दलों में अच्छे संबंध हैं, वहीं मसूद इस बात को लेकर लगातार मुखर रहे हैं कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बनने वाले गठबंधन में कांग्रेस 'बड़े भाई' की भूमिका में रहेगी। राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी

की बेटी मोना ने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन बहुत मजबूत रहेगा। मोना, अगस्त 2023 से उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे अजय राय की जगह लेंगी। राय ने पहले बताया था कि वह 2027 का विधानसभा चुनाव वाराणसी की पिंडरा विधानसभा सीट से लड़ेंगे और सूत्रों के अनुसार वह समाजवादी पार्टी के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन के ज्यादा इच्छुक नहीं थे।

सपा को वोट चाहिए पीडीए का, टिकट परिवार-पूँजीपतियों को : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- हारने को उतारेगी तीसरा प्रत्याशी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी के राज्यसभा प्रत्याशियों के चयन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सपा को वोट तो पीडीए का चाहिए, लेकिन सांसद और विधायक अपने परिवार और पूँजीपतियों को बनाती है। सपा समाजवादी व पीडीए की पार्टी होने का ढोंग करती है। जनता इनके पीडीए के बहकावे में ना आए।

मायावती ने शुक्रवार को जारी अपने बयान में कहा कि सपा ने राज्यसभा चुनाव में रामगोपाल यादव को पर्चा भरवाया है जो सपा मुखिया के नजदीकी रिश्तेदार हैं। दूसरा उम्मीदवार धनराज परिमल नथवानी को बनाया है, जो चर्चित उद्योग घराने से जुड़े हैं। लोगों की राय में सपा का तीसरा उम्मीदवार पहले की तरह फेस सेविंग व चुनाव



मेरी चुप्पी को गलत समझा: आकाश आनंद

बहुजन समाज पार्टी के पूर्व नेता आकाश आनंद ने पार्टी सुप्रीमो मायावती से एक बार फिर मांगी है। पार्टी में निष्कासन और आगमन के दौर का सामना कर रहे आकाश ने बीते कुछ सालों में दूसरी बार बसपा चीफ से माफी मांगी है। बीते महीने बसपा चीफ ने आकाश को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। उसके करीब 1 महीने बाद 2 अक्टूबर 2026 शुक्रवार को आकाश आनंद ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- परम आदरणीय बहन जी, आप मेरी राजनैतिक गलती है, मेरी प्रेरणा हैं, और मेरी बुआ माँ भी हैं। राजनीति में मैंने जो कुछ सीखा, वो आप से ही सीखा, जो कुछ किया, आपके मार्गदर्शन में किया। इसलिए आज अपनी बात सीधे आपके सामने और पूरे बहुजन समाज के सामने रखना चाहता हूँ।

हारने के लिए होगा। सपा का ऐसा दोहरा चाल, चरित्र व चेहरा हमेशा से रहा है। सर्वर्ण समाज के गरीबों तथा दलितों, आदिवासियों, अति-पिछड़ों, मुस्लिम एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के लोगों को विधानसभा चुनाव से पहले सतर्क हो जाना चाहिए। उनका हित बसपा में ही सुरक्षित है, बाकी सब छलावा है।

परगट सिंह होंगे पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में दरारें एक बार फिर उस वक्त सामने आई जब राज्य इकाई के प्रमुख रहे अमरिंदर सिंह

राजा वडिंग ने उनके पद छोड़ने को पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की जीत बताया। वडिंग ने कहा कि उन्हें पता चला था कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) के नए प्रभारी महासचिव सचिन पायलट उन्हें हटाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने खुद ही अपना पद छोड़ दिया। उन्होंने जोर देकर कहा



कि किसी ने उनसे इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा था, उन्होंने अपनी मर्जी से ऐसा किया।

इससे पहले शुक्रवार को वडिंग ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और पंजाब इकाई के प्रमुख के तौर पर अपना औपचारिक इस्तीफा उन्हें सौंपा। उनकी जगह भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान परगट सिंह को पंजाब कांग्रेस का प्रमुख बनाया गया है। वडिंग चार साल से ज्यादा समय तक प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख रहे और उनका इस्तीफा राज्य में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आया है। उनके इस्तीफे से पहले राज्य इकाई में लंबे समय से अंदरूनी कलह चल रही थी और चन्नी तथा

कुछ अन्य नेताओं ने उन्हें हटाने की मांग की थी। वडिंग ने बाद में कहा, मुझसे किसी ने इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा। मुझे हालात का अंदाजा हो गया था और जब मुझे लगा कि स्थिति चरम पर पहुंच गई है, तो मैंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दे दिया और अपना सोशल मीडिया हैंडल बदलकर 'पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष' कर लिए। उन्होंने कहा, शायद सचिन पायलट को लगा कि मेरे लिए पीसीसी अध्यक्ष के रूप में बने रहना उचित नहीं था। चन्नी साहब जीत गए हैं। वडिंग ने कहा कि उन्होंने पिछले साढ़े चार सालों में पार्टी नेतृत्व को अपनी राय दी, और हो सकता है कि पायलट ने पार्टी को कुछ नयी राय दी हो।



बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जम्मू-कश्मीर फिर सियासी पारा चढ़ा राज्य बहाली का दर्जा विधानसभा में गूंजा

» भाजपा और नेका में वार-पलटवार
» एसआईआर को लेकर पीडीपी व नेका का हल्लाबोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



श्रीनगर। आज कल जम्मू-कश्मीर एकबार फिर चर्चा है। अभी हाल में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया था। इसको लेकर राज्य से लेकर दिल्ली तक सियासत गरमाई हुई है। भाजपा का नेंका में वार पलटवार जारी है वहीं चुनाव आयोग को लेकर भी सियासी दलों में बहस जारी है। बता दें राज्य बहाल करने के विस प्रस्ताव के बाद अब यह मामला प्रशासनिक गलियारों में पहुंच गया है।

अब मुख्य सचिव अटल डुल्लू की भूमिका पर सबकी निगाहें लगी हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तंज कसते हुए उन्हें भारत रत्न देने या राष्ट्रपति बनाने की बात कही। अब्दुल्ला ने चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों की रिपोर्टों का हवाला देते हुए ईसीआई को आत्म-मंथन करने की सलाह दी। इसबीच पीडीपी नेता पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने भी एसआईआर को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बातोंका समर्थन करते हुए कहा है कि देश में हर व्यक्ति को वोट देने का अधिकार है।

पश्चिम बंगाल बीजेपी प्रमुख सामिक भट्टाचार्य ने पद्म भूषण देने की बात कही थी



पश्चिम बंगाल बीजेपी प्रमुख सामिक भट्टाचार्य ने हाल ही में कहा कि ज्ञानेश कुमार को कम से कम पद्म भूषण मिलना चाहिए। उन्होंने राज्य में हिंसा-मुक्त विधानसभा चुनाव सुनिश्चित करने और अवैध बांग्लादेशियों को हटाकर वोटर लिस्ट को साफ-सुथरा बनाने का श्रेय भी उन्हें दिया। CEC के बचाव में भट्टाचार्य का यह बयान चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर मचे बड़े विवाद के बीच आया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब ऐसी खबरें सामने आई कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दो चुनाव आयुक्तों ने उनके नाम पर लिए गए फैसलों पर आपत्ति जताई थी।

अधिकारियों ने प्रस्ताव पर चर्चा का पहले किया था विरोध

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पारित होने के बाद अब विवाद का केंद्र विधानसभा से निकलकर प्रशासनिक गलियारों तक पहुंच गया है। प्रस्ताव पारित होने के बावजूद सबसे बड़ा सवाल यह है कि विधानसभा सचिवालय से प्राप्त प्रस्ताव पर मुख्य सचिव अटल डुल्लू आगे



क्या कार्रवाई करते हैं और क्या इसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। क्योंकि प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान

स्वयं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खुलासा किया था कि मुख्य सचिव अटल डुल्लू और विधि एवं संसदीय

मामलों के सचिव अचल सेठी ने अलग अलग पत्र लिखकर विधानसभा स्पीकर को राज्य के दर्जे की बहाली के प्रस्ताव पर सदन में चर्चा कराने या पारित करने के लिए स्वीकार न करने की सलाह दी थी। दोनों अधिकारियों ने स्टेटहुड संबंधी मामले के अदालत में विचाराधीन होने का तर्क दिया है।

सदन के समक्ष रखना जरूरी

राथर ने यह सवाल भी उठाया कि यदि किसी मामले को लेकर प्रशासनिक या कानूनी आपत्ति थी तो उसे सरकार के राजनीतिक नेतृत्व के माध्यम से विधानसभा के समक्ष रखा जाना चाहिए था। उनके अनुसार, विधानसभा के कामकाज में इस प्रकार का हस्तक्षेप सदन की संस्थागत स्वायत्तता से जुड़े सवाल खड़े करता है। कश्मीर मामलों के जानकार रमीज मखदूम ने कहा कि जिस तरह से मुख्यसचिव और विधि सचिव ने प्रस्ताव पर सदन में चर्चा न कराने की सलाह दी है, उसे देखते हुए अब सभी की नजर, पारित प्रस्ताव को लेकर प्रशासनिक प्रक्रिया से जुड़ी है। विधानसभा सचिवालय ने प्रस्ताव मुख्यसचिव को भेजा है, लेकिन उसे केंद्र सरकार को भेजने की बात उसमें स्पष्ट नहीं

है। कानूनी और संवैधानिक दृष्टि से विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने से जम्मू कश्मीर का दर्जा बहाल नहीं होगा, यह तभी होगा जब केंद्र सरकार इसके लिए कानून लाए, उसे संवैधानिक और विधायी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इन सभी बातों के बीच मुख्य सचिव इस पर क्या रुख अपनाते हैं, यह भी देखना होगा, लेकिन इस प्रकरण ने नौकरशाही की ओर से प्रस्ताव की स्वीकार्यता पर सवाल उठाए जाने से प्रशासनिक प्रक्रिया पर बहस को जन्म दिया है। क्या प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा? क्या इस संबंध में कानून विभाग से कोई नई राय ली जाएगी? और क्या सब-जुड़िस का तर्क आगे भी प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रभावित करेगा?

सीएम के पास कानून विभाग का प्रभार भी

उमर अब्दुल्ला के पास कानून विभाग का प्रभार भी है। उन्होंने विधानसभा में कहा कि उन्हें अधिकारियों द्वारा भेजे गए पत्र की पहले से जानकारी नहीं थी और विधानसभा सचिवालय से जानकारी मिलने के बाद उन्हें इसका पता चला। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि जब वह मुख्यमंत्री होने के साथ कानून मंत्री भी हैं, तो उनकी जानकारी के बिना कानून विभाग के अधिकारी उनके द्वारा विधानसभा में पेश किए गए प्रस्ताव के संबंध में सदन को अपनी राय कैसे भेज सकते हैं। अब्दुल्ला ने इस घटनाक्रम को जम्मू-कश्मीर के

मौजूदा संवैधानिक दर्जे से जोड़ते हुए कहा कि ऐसी स्थिति किसी पूर्ण राज्य में संभव है या नहीं, इस पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना लोगों की मांग और अधिकार से जुड़ा विषय है। विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने अधिकारियों की ओर से भेजे गए पत्रों पर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विधानसभा के विधायी कामकाज को प्रभावित करने के लिए नौकरशाही की ओर से इस तरह का पत्र भेजे जाने की कोई मिसाल उनके सामने नहीं है।

भारत सरकार को भेजा जाएगा प्रस्ताव

हालांकि, विधानसभा सचिवालय के मनोज पंडित ने स्टेटहुड बहाली के प्रस्ताव को सदन द्वारा स्वीकार किए जाने की औपचारिक जानकारी के साथ प्रस्ताव को



आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया है। हालांकि, पत्र में यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया है कि प्रस्ताव को भारत सरकार को भेजा जाए। इसी शब्दावली ने अब प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। दो वरिष्ठ नौकरशाहों ने स्टेटहुड बहाली के प्रस्ताव को सदन में पेश किए जाने का विरोध किया है, यह रहस्य ही रहता, यदि स्वयं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपनी सरकार के पास सीमित अधिकारों और बीते दो वर्ष से बिजनेस रूल्स को मंजूरी न मिलने से होने वाली दिक्कतों का जिक्र न करते। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश होने का क्या मतलब होता है, यह इस बात से पता चलता है कि एक मुख्य सचिव और विधि सचिव मेरी जानकारी के बिना ही सीधे स्पीकर को पत्र लिखकर कहते हैं कि स्टेटहुड के प्रस्ताव पर चर्चा नहीं होनी चाहिए, इसे पारित नहीं किया जाना चाहिए।

सीईसी को भारत रत्न दिया जाए : उमर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न दिया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर तंज कसते हुए यह बात कही, क्योंकि चुनाव आयोग में मतभेदों की हालिया खबरों और स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर आयोग की आलोचना बढ़ रही है। पत्रकारों से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग को आत्म-मंथन करना

चाहिए। अब्दुल्ला ने उस रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग के खिलाफ हैं, और ऐसा बिना किसी वजह के नहीं हो रहा है... सबूत किसी राजनीतिक पार्टी ने नहीं, बल्कि एक अखबार ने पेश किए हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि



उनका कहना था कि ये फैसले और आदेश उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार सिस्टम इंटीग्रेटेड रीडर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर आधिकारिक तौर पर आपत्ति जताई थी।

जारी किए गए थे। मुख्य चुनाव आयुक्त के लिए पद्म भूषण की सिफारिश के बारे में पूछे जाने पर, अब्दुल्ला ने तंज कसते हुए पूछा कि सिर्फ वही क्यों, भारत रत्न क्यों नहीं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सिर्फ पद्म भूषण पर ही क्यों रुके? ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न दिया जाना चाहिए... राष्ट्रपति चुनाव में बस दो साल बचे हैं... उन्होंने बीजेपी के लिए इतना कुछ किया है... पूरा पश्चिम बंगाल बीजेपी को तोहफे में दे दिया।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

नेताओं को धैर्य रखना बहुत जरूरी

66

भाजपा सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक ब्यक्ति को इसलिए थप्पड़ मारा क्योंकि वह सड़क पर सवाल कर रहा था। इससे पहले मप्र, यूपी, महाराष्ट्र में ऐसे मामले आए। पर जन प्रतिनिधि को समझना चाहिए कि वह जनता के प्रति भी जवाब देह हैं। उन्हें उनकी सुननी चाहिए। धैर्य नेताओं में होना बहुत जरूरी है।

पिछले कुछ सालों में एक बहुत गलत चलन देखने को मिल रहा है। जो भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए कतई उचित नहीं है। हमारे चुने हुए जन प्रतिनिधि जनता के सवालों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं और प्रतिक्रिया में उन पर हाथ छोड़ रहे हैं या उल्टा सीधा बोल दे रहे हैं। जैसे ताजा मामला दिल्ली का है जिसमें भाजपा सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक व्यक्ति को इसलिए थप्पड़ मारा क्योंकि वह सड़क पर सवाल कर रहा था। इससे पहले मप्र, यूपी, महाराष्ट्र में ऐसे मामले आए। पर जन प्रतिनिधि को समझना चाहिए कि वह जनता के प्रति भी जवाब देह हैं। उन्हें उनकी सुननी चाहिए। धैर्य नेताओं में होना बहुत जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर में नल से जल पहुंचाने की भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन है। पिछले दिनों केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के साथ छत्तीसगढ़ के दोनों दलों के सांसदों (लोकसभा और राज्यसभा) की बैठक हुई, जिसमें माननीयों ने मिशन के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर सवाल उठाए और नाराजगी व्यक्त की केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार छत्तीसगढ़ के 83.94 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल से जल का कनेक्शन दे दिया गया है।

ये आंकड़े बिल्कुल सही हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या नल कनेक्शन कर देने मात्र से उसमें से जल आ जाता है? प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों में भारी लापरवाही हुई है; कहीं पानी ही नहीं है और टंकी बना दी गई है, तो कहीं घरों में नल कनेक्शन दे दिए गए पर पानी ही नहीं आता उनमें। कैंग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2024 तक प्रदेश में 1034.26 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और 40 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कैंग की इस रिपोर्ट के मुताबिक भी शत-प्रतिशत कवरेज नहीं मिल सका है। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही दलों के सांसदों ने बैठक में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में बरती जा रही लापरवाही को लेकर विस्तार से बताया। जमीनी सच्चाई से अवगत कराया। साथ ही इसके समयबद्ध और सही क्रियान्वयन को लेकर सुझाव भी दिए। छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि जमीनी स्तर पर पानी नहीं पहुंच रहा, तो यह योजना के मूल उद्देश्य को प्रभावित करता है और जनता के विश्वास को कमजोर करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की यह महत्वाकांक्षी और महत्वपूर्ण योजना का सफल क्रियान्वयन तभी हो सकेगा, जब दोनों सरकारें (केंद्र व राज्य) इसकी कड़ी निगरानी करें। साथ ही माननीयों को भी चाहिए कि वे सिर्फ नाराजगी व्यक्त न करें, बल्कि संकल्प से सिद्धि के ध्येय वाक्य पर अमल करें।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सूचनाओं की सुनामी में सिकुड़ती समझ

विवेक शर्मा

सुबह आंख खुलते ही मोबाइल सामने होता है। रात में क्या हुआ, देश में क्या चल रहा है, दुनिया में किसने क्या कहा, सब कुछ चंद पलों में पता चल जाता है। फिर भी दिन चढ़ने के साथ यह भरोसा नहीं बढ़ता कि हमें दुनिया पहले से ज्यादा समझ में आ रही है। उल्टे, कई बार लगता है कि खबरें बढ़ रही हैं और समझ सिकुड़ रही है। कभी खबर के लिए अखबार का इंतजार होता था। अब खबरें इंतजार नहीं करतीं। वे लगातार हमारे दरवाजे पर दस्तक देती रहती हैं। एक नोटिफिकेशन हटाइए तो दूसरा सामने है। एक वीडियो खत्म नहीं होता कि दूसरा शुरू हो जाता है। कुछ देर बाद याद भी नहीं रहता कि सुबह पढ़ी गई दस खबरों में से कौन-सी वास्तव में महत्वपूर्ण थी।

यहीं सूचना और समझ का फर्क सामने आता है। सूचना बताती है कि क्या हुआ, जबकि समझ यह जानने की कोशिश करती है कि क्यों हुआ, उसका असर किस पर पड़ेगा और उसके पीछे की तस्वीर क्या है। हमारे पास सूचना ज्यादा है, लेकिन समझने के लिए समय और धैर्य कम है। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और पेचीदा बना दिया है। किसी घटना की पूरी जानकारी सामने आने से पहले ही उसका वीडियो वायरल हो जाता है। कुछ शब्दों का शीर्षक लोगों की राय बना देता है। देखते ही देखते एक धारणा सच जैसी लगने लगती है। बाद में अगर कोई दूसरा तथ्य सामने आए तो उसे स्वीकार करना आसान नहीं होता, क्योंकि राय पहले बन चुकी होती है। वायरल होना सत्य की गारंटी नहीं है। लाखों लोगों तक पहुंची कोई पोस्ट भी गलत हो सकती है और किसी जरूरी तथ्य को शायद ही कोई साझा करे। डिजिटल दुनिया की विडंबना यही है कि जो बात सबसे ज्यादा दिखाई देती है, जरूरी नहीं कि वही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो। इसका एक कारण हमारी अपनी आदत भी है। हम वही देखना पसंद करते हैं जिससे सहमत होना

आसान हो। सोशल मीडिया भी हमारी पसंद पहचानकर उसी तरह की सामग्री बार-बार सामने लाता है। धीरे-धीरे एक ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें अपनी राय की पुष्टि तो खूब मिलती है, लेकिन उससे अलग सोचने वाले तथ्य कम दिखाई देते हैं।

फिर हमें लगता है कि दुनिया भी वही सोच रही है जो हम सोच रहे हैं। यह बात महज सोशल मीडिया की नहीं रह जाती। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन असहमति के लिए साझा तथ्य भी जरूरी हैं। यदि हर व्यक्ति अपनी-अपनी सूचनाओं की दुनिया में बंद हो जाए तो बहस बहुत होगी, संवाद कम। अपनी बात कहने



की आजादी जितनी जरूरी है, दूसरे की बात सुनने का धैर्य भी उतना ही जरूरी है। ऐसे समय में पत्रकारिता की जिम्मेदारी पहले से बढ़ जाती है। जब हर व्यक्ति के हाथ में कैमरा है और कोई भी घटना कुछ ही क्षण में दुनिया के सामने पहुंच सकती है, तब असली काम सिर्फ सूचना देना नहीं, बल्कि उसकी पड़ताल करना, तथ्य अलग करना और घटना को संदर्भ में रखना है। हर वायरल विषय महत्वपूर्ण नहीं होता। इसलिए पत्रकारिता को लोकप्रियता के पीछे भागने के बजाय सार्वजनिक महत्व को देखना होगा। तेजी और जल्दबाजी में भी फर्क है। गलत सूचना कुछ मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकती है, लेकिन बाद में दी गई सफाई शायद उतनी दूर न जाए। पत्रकारिता का भरोसा बनाने में वर्षों लगते हैं, उसे कमजोर

करने के लिए एक गलत खबर भी काफी हो सकती है। मुश्किल यह भी है कि लोग बिना पूरी बात जाने पक्ष चुन लेते हैं और सार्वजनिक रूप से व्यक्ति की गई अपनी बात से पीछे हटना उन्हें अपनी ही नजर में कठिन लगता है। यहीं पत्रकारिता को भीड़ से थोड़ा अलग खड़ा होना पड़ता है। पाठक को वही बताना आसान है जो वह सुनना चाहता है, लेकिन मुश्किल यह है कि उसे वह जानकारी दी जाए जिसे जानना उसके लिए जरूरी है। एआई आने वाले समय में सूचना की इस बाढ़ को और तेज करेगा। खबरें, तस्वीरें और वीडियो पहले से कहीं तेजी से तैयार होंगे। ऐसे में समस्या सूचना की उपलब्धता नहीं,

उसकी विश्वसनीयता पहचानने की होगी। पत्रकारिता को पाठक के लिए फैसला करने के बजाय उसे तथ्य देकर अपना फैसला करने लायक बनाना होगा। पाठक की जिम्मेदारी भी यहीं से शुरू होती है।

हर खबर पर तत्काल प्रतिक्रिया देना जरूरी नहीं। कभी-कभी सबसे समझदार प्रतिक्रिया यही होती है कि कुछ देर रुका जाए, स्रोत देखा जाए, दूसरा पक्ष सुना जाए और फिर राय बनाई जाए। आखिर खबरों का उद्देश्य केवल हमें व्यस्त रखना नहीं है। वे हमें दुनिया को समझने का अवसर देती हैं। सूचना केवल घटना का विवरण देती है, जबकि समझ उसका असली अर्थ समझाती है। आज हमारे सामने खबरों की कमी नहीं है, बल्कि इस शोर में जरूरी बात पहचानने की चुनौती है।

इंदु भूषण

जैसे ही कोई मरीज अस्पताल में भर्ती होता है, व्यवसाय के मानक नियम पूरी तरह भंग हो जाते हैं। स्ट्रेचर पर लेटे घबराए मरीज के पास न तो इलाज के दाम की तुलना करने का समय होता है और न ही मोल-भाव करने की शक्ति। वे अनिश्चितता के असामान्य स्तर को स्वीकार कर लेते हैं, यह यकीन करते हुए कि जो इलाज सुझाया जा रहा है, वह जरूरी है और उसका दाम वाजिब है। जब अस्पताल इस मजबूरी का फायदा उठाकर बहुत ज्यादा मुनाफा कमाने लगे, तो यह उस भरोसे को बुरी तरह ध्वस्त करने जैसा है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन का हालिया सर्वे इस समस्या की भयावहता को उजागर करता है। पड़ताल करने वालों ने पाया कि इंटरवेनस (आईवी) इन्फ्यूजन सेट की जो लागत अस्पताल को 11.05 रुपये पड़ती है, उसका दाम मरीज से 325 रुपये वसूला गया—यानी 2,841 प्रतिशत अधिक। 29.41 रुपये में खरीदे गए कैथेटर का अधिकतम खुदरा मूल्य 310 रुपये वसूला गया, जो 954 फीसदी अधिक है।

कई तरह के आवश्यक मेडिकल सामानों पर कीमतें बहुधा 2,841 प्रतिशत तक ज्यादा पाई गईं। खाद्य एवं औषधि आयुक्त तुकाराम मुंडे ने डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स और नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को पत्र लिखकर केंद्रीय समीक्षा और स्पष्ट नियमों की मांग की है, ताकि खरीद दाम और घोषित अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच कितने अंतर की अनुमति हो, यह तय किया जा सके। अस्पताल एक वैध वाणिज्यिक संस्था की श्रेणी में आते हैं। उनके लिए खरीद दाम, साफ-सुथरा भंडारण, पर्याप्त स्टॉक बनाए

मरीज के भरोसे का सौदा करने पर हो सख्ती



रखना और बर्बादी को लागत में जोड़ना एक जरूरत है, और वाजिब मुनाफा कमाने का हक भी है। लेकिन एक टिकाऊ व्यापारिक मुनाफे और मजबूर ग्राहक से ज्यादा पैसे उगाहने के बीच सीमारेखा स्पष्ट है। किसी भी अन्य उद्योग में ऐसा करने पर तुरंत 'विश्वास-भंग' का जुर्माना लग सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में, जहां ग्राहक बीमार और डरा हुआ होता है तथा कहीं और तुरंत जा नहीं सकता, इसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, जहां अनाप-शनाप दाम वसूलना एक परिपाटी बन जाए, वहां नियामक परामर्श काफी नहीं होते। जो अस्पताल जान-बूझकर ज्यादा कीमत वसूलते हैं, उनके लिए अतिरिक्त लिया गया पैसा मरीजों को वापस लौटाना और भारी जुर्माना भरना अनिवार्य किया जाना चाहिए। बार-बार ऐसा करने वालों को दंड स्वरूप सरकारी स्वास्थ्य बीमा पैनल से बाहर करना और निजी भुगतान नेटवर्क से कुछ समय के लिए निलंबित या फिर स्थायी रूप से काली सूची में डाल देना चाहिए। हालांकि, हमें कुछ मेडिकल सामानों पर वसूले जाने

वाले बहुत ज्यादा मुनाफे को शेष सामान्य वस्तुओं पर भी लागू मानकर, एकमुश्त सख्त दाम नियंत्रक निजाम बनाने की गलती करने से बचना होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने हाल ही में आवश्यक मेडिकल प्रक्रियाओं पर 'कड़ी ऊपरी कीमत' तय करने, तमाम स्टैंडर्ड मेडिकल ऑपरेशनों के लिए पैकेज रेट तय करने और मेट्रो शहरों के अस्पतालों के कमरों का किराया आसपास के श्री-स्टार होटलों के कमरों के किराए के बराबर करने के लिए एक कानूनी संस्था बनाने की सिफारिश की है। बेशक, समिति ने मरीजों की परेशानी को सही ढंग से समझा है, लेकिन उसके सुझाए गए उपायों से स्वास्थ्य तंत्र को भारी नुकसान पहुंचने का खतरा भी है।

आईवी सेट एक मानकीकृत औद्योगिक उत्पाद है, जबकि क्लीनिकल देखभाल वैसी नहीं है। एक ही बीमारी वाले दो मरीजों को उम्र, दिल की बीमारी के इतिहास या सर्जरी की जटिलता के आधार पर एकदम अलग इलाज की आवश्यकता हो सकती है। बीमारी के लिए विशिष्ट विशेषज्ञता वाले अस्पताल में कई घंटों

तक चलने वाली जटिल कैंसर सर्जरी की कीमत को उसी तर्क से तय नहीं किया जा सकता, जिससे प्लास्टिक कैथेटर की कीमत तय की जाती है। जब सरकारें सख्त और तयशुदा कीमतें लागू कर देंगी, तो दो चीजें होंगी अगर ऊपरी कीमत बहुत ज्यादा रख दी जाएगी, तो मरीजों को कोई खास बचत नहीं होगी; अगर यह सीमा बहुत कम रखी जाएगी, तो गुणवत्ता प्रभावित होगी। सेवा प्रदाता तब गुणवत्ता से समझौता करने लगेंगे, ज्यादा जोखिम वाले या जटिल मामलों को लेने से मना कर सकते हैं, छिपे हुए चार्ज जोड़ने लगेंगे या आधुनिक तकनीक में निवेश करना रोक देंगे। आयुष्मान भारत (पीएम-जय) के लिए क्रय-ढांचा तैयार करने में कई साल बिताने के बाद, मैंने इस प्रक्रिया को करीब से देखा है।

यह सुनिश्चित करना कहीं ज्यादा मुश्किल है कि मरीज को उस कीमत पर वास्तव में अच्छी गुणवत्ता वाली, सुरक्षित और सही इलाज मिले। दामों पर एकमुश्त अंकुश लगाने के बजाय, भारत को एक विशेष पांच-सूत्रीय नियामक रणनीति की जरूरत है। प्रथम, अस्पतालों द्वारा वसूली जाने वाली कीमतों में वास्तविक पारदर्शिता बनाना। प्रत्येक अस्पताल एक समान डिजिटल प्रारूप में इलाज के दाम की सूची प्रकाशित करे। पूर्व निर्धारित अस्पताल भर्ती के मामले में, मरीजों को कुल खर्च का एक अनुमान मिलना चाहिए, जिसमें व्यवसायिक फीस, जांच एवं परीक्षण, इलाज, दवाएं, उपकरण, इस्तेमाल होने वाली अन्य चीजें और कमरे का किराया शामिल हो। यदि अंतिम बिल अनुमान से काफी ज्यादा बने, तो अस्पताल को इसकी वजह बतानी चाहिए, सिवाय उन मामलों के जहां कोई अप्रत्याशित मेडिकल स्थिति पैदा हो जाए।

अनियंत्रित डायबिटीज का असर

लंबे समय तक रक्त शर्करा का स्तर अधिक रहने पर शरीर के विभिन्न अंग प्रभावित हो सकते हैं। आंखें, गुर्दे, नसें और हृदय सहित कई अंगों पर इसका असर पड़ सकता है। इसीलिए डायबिटीज की पहचान होने के बाद केवल शुगर की एक रिपोर्ट नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य पर नजर रखना जरूरी है। स्वस्थ वजन बनाए रखना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना और संतुलित आहार लेना टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति का वजन अधिक है तो चिकित्सक की सलाह से धीरे-धीरे वजन कम करना उपयोगी हो सकता है।

लक्षण

कुछ लोगों में अत्यधिक प्यास, बार-बार पेशाब आना, अधिक भूख, वजन में अनचाहा बदलाव, थकान या धुंधला दिखाई देना जैसे लक्षण हो सकते हैं। लेकिन कई लोगों में शुरुआत में स्पष्ट लक्षण नहीं होते। इसीलिए जोखिम वाले लोगों में चिकित्सकीय सलाह के अनुसार रक्त शर्करा की जांच महत्वपूर्ण हो सकती है।

शारीरिक गतिविधि की भूमिका

नियमित व्यायाम शरीर की इंसुलिन संवेदनशीलता और समग्र स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हो सकता है। तेज चलना, साइकिल चलाना, तैरना, योग या अन्य गतिविधि व्यक्ति की क्षमता के अनुसार अपनाई जा सकती है। जो व्यक्ति लंबे समय से निष्क्रिय है, उसे अचानक बहुत कठिन व्यायाम शुरू करने के बजाय धीरे-धीरे शुरुआत करनी चाहिए।

भोजन में क्या खाएं

भोजन में सब्जियों, दालों, साबुत अनाज और पर्याप्त प्रोटीन को जगह देना उपयोगी है। मीठे पेय, अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन और बहुत अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थों को सीमित करना चाहिए। सिर्फ भोजन की एक चीज को दोष देने के बजाय पूरी भोजन-पद्धति को देखना जरूरी है। वहीं यह एक आम सवाल है। वैसे तो फल पौष्टिक आहार का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन डायबिटीज वाले व्यक्ति के लिए भोजन की मात्रा, कुल कार्बोहाइड्रेट और व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखना जरूरी है। इसलिए सभी फल बंद जैसी सामान्य सलाह उचित नहीं है। वहीं डायबिटीज की दवा चल रही हो तो केवल एक-दो सामान्य रिपोर्ट देखकर दवा बंद करना उचित नहीं है। इसी तरह किसी रिश्तेदार या परिचित की दवा अपने लिए शुरू करना भी सुरक्षित तरीका नहीं है। दवा की मात्रा और प्रकार व्यक्ति की स्थिति के अनुसार चिकित्सक तय करते हैं।

डायबिटीज में मीठे से कहीं और ज्यादा बड़े हैं ये खतरे

डायबिटीज आज दुनिया की प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल है। यह ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर रक्त में मौजूद ग्लूकोज यानी शर्करा को ठीक तरह से नियंत्रित नहीं कर पाता। डायबिटीज के कई प्रकार हैं, लेकिन टाइप-2 डायबिटीज सबसे आम प्रकारों में से एक है। इसके विकास में आनुवंशिक कारणों के साथ-साथ शरीर का वजन, शारीरिक गतिविधि और जीवनशैली सहित कई कारक भूमिका निभा सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2022 में दुनिया भर में लगभग 83 करोड़ वयस्क डायबिटीज के साथ रह रहे थे। डायबिटीज को अक्सर लोग केवल मिठाई खाने से जोड़ते हैं। लेकिन वास्तविकता अधिक जटिल है। किसी व्यक्ति में डायबिटीज का जोखिम केवल मिठाई खाने से तय नहीं होता। भोजन की पूरी गुणवत्ता, शरीर का वजन, शारीरिक गतिविधि, आनुवंशिक जोखिम और अन्य स्वास्थ्य कारक भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए सिर्फ मिठाई छोड़ देना पर्याप्त स्वास्थ्य रणनीति नहीं है।

मनीष कुमार मौर्य



हंसना मना है

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है।
मोलू: अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा- गोलू मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

चिटू डॉक्टर के पास गया, चिटू- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, चिटू- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, चिटू- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

चिटू: मेरी जिंदगी साली नर्क होती जा रही है, यमराज: हा हा हा हा, चिटू: कौन है भाई? यमराज: तेरे पापों का घड़ा अब भर चुका है, चिटू: तो मोटर बंद कर दे ना मेरे भाई, यमराज भी बेहोश।

बाप- 5 के बाद क्या आता है? बेटा- 6 और 7 पापा! बाप- शाबाश बेटा मेरा तो बहुत इंटेलिजेंट है, अच्छा तो 6, 7 के बाद? बेटा- 8, 9, 10, बाप- और उसके बाद? बेटा- और उसके बाद गुलाम, बेगम और बादशाह!

कहानी

सच्चा पुरुषार्थ

समय के साथ ही स्वामी विवेकानंद का ज्ञान और बातें पूरी दुनिया में फैल रही थीं। उनके भाषण और बातों से भारत के लोग ही नहीं, बल्कि विदेशी भी प्रभावित थे। हर कोई उन्हें अपना आदर्श मानने लगा था। स्वामी विवेकानंद की बातों और विचारों से एक विदेशी महिला इतनी प्रभावित हुई कि मन ही मन में उन्होंने स्वामी से शादी करने की ठान ली। वो हर दिन उनके बारे में ही सोचती रहती थी। उस महिला ने स्वामी से मिलने की भी बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कुछ समय बाद एक बार वह विदेशी महिला उस प्रोग्राम में पहुंच गई जहां स्वामी विवेकानंद भी मौजूद थे। वो बिना किसी डर के स्वामी के पास पहुंची और बिना किसी डर के कहा, मैं आपसे शादी करना चाहती हूं। महिला की मन की बात को सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि आखिर आप मुझसे ही शादी क्यों करना चाहती हैं। मुझमें ऐसा क्या आपने देखा है? स्वामी के सवाल का जवाब देते हुए उस विदेशी महिला ने कहा कि आपसे मैं बहुत प्रभावित हूं। आप बड़े ज्ञानी और गुणवान हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी बिल्कुल आपके जैसा ही हो। इसी वजह से मैं आपसे शादी करना चाह रही हूं। महिला की इस इच्छा को जानकर स्वामी ने महिला से कहा कि ऐसा होना असंभव है, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। फिर उन्होंने आगे कहा कि भले ही मैं आपसे शादी नहीं कर सकता, लेकिन आपकी इच्छा को पूरा कर सकता हूं। महिला ने स्वामी से पूछा कि वो कैसे होगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि आप मुझे ही अपना बेटा मान लीजिए और आपको मां मान लेता हूं। ऐसा करने से आपको मेरे जैसा ही बेटा मिल जाएगा। स्वामी विवेकानंद की बातों को सुनते ही महिला उनके पैरों पर गिर गई। उसने आगे कहा कि आप सचमुच बहुत बुद्धिमान हैं। मुझे आप पर गर्व है। ऐसा करके स्वामी विवेकानंद ने खुद को अच्छा पुरुष साबित किया और सच्चे पुरुषार्थ का उदाहरण दिया। असली पुरुषार्थ वही होता है जब पुरुष के मन में नारी के लिए मां जैसा सम्मान का भाव होता है।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष



कार्यस्थल पर नई चुनौतियां आ सकती हैं, धैर्य से काम लें। व्यापारिक लेनदेन में पारदर्शिता बनाए रखें। पारिवारिक मामलों में संयम से काम लेना हितकर होगा।

तुला



कार्यस्थल पर आपके सुझावों को महत्व दिया जाएगा। व्यापार में लाभ की प्राप्ति होगी, धन संचय होगा। परिवार में मांगलिक आयोजन की चर्चा हो सकती है।

वृषभ



कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे, प्रभाव में वृद्धि होगी। व्यापार में साझेदारी से लाभ के योग बन रहे हैं। दायित्व जीवन में मधुरता और विश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक



आत्मविश्वास चरम पर रहेगा, बड़े निर्णय ले पाएंगे। व्यापार में नई शुरुआत करने के लिए अनुकूल दिन है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता और विश्वास बढ़ेगा।

मिथुन



प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त मिलेगी, कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापार में विवेकपूर्ण फैसले लाभ पहुंचाएंगे। मित्रों और परिवार का सहयोग बना रहेगा।

धनु



कार्यक्षेत्र में सावधानी बरतें, कोई काम टालने से बचें। व्यापार में विदेशी संपर्कों से लाभ की संभावना है। पारिवारिक मामलों में बजट का ध्यान रखें।

कर्क



रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा, नई सोच से लाभ होगा। व्यापार में जोखिम लेने से बचें, स्थितियां सामान्य हैं। संतान की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर



कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का फल मिलेगा, प्रशंसा होगी। व्यापार में बड़े सीदे तय हो सकते हैं, मुनाफा होगा। मित्रों के साथ सुखद और मनोरंजक समय बीतेगा।

सिंह



कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें, वरिष्ठों से मतभेद से बचें। व्यापारिक सौदों में जल्दबाजी नुकसानदेह हो सकती है। घर का वातावरण शांतिपूर्ण बनाए रखने का प्रयास करें।

कुम्भ



करियर में बड़ी प्रगति संभव है, नए रास्ते खुलेंगे। व्यापारिक मामलों में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। परिवार में आपका सम्मान और महत्व बढ़ेगा।

कन्या



आपके संवाद कौशल से रुके हुए काम आसानी से बनेंगे। व्यापार में छोटी यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी। भाई-बहनों का सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा।

मीन



भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा, कार्य आसान होंगे। व्यापारिक विस्तार की योजनाएं धरातल पर आएंगी। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्य के योग हैं।



अजय देवगन की दृश्यम 3 की हुई दमदार शुरुआत

अजय देवगन, तब्बू और जयदीप अहलावत अभिनीत फिल्म दृश्यम 3 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। शुक्रवार को आखिरकार यह सिनेमाघरों में सज गई है। जानिए फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन। फिल्म दृश्यम 3 की एडवांस बुकिंग में भी जमकर बिक्री हुई थी। वैसे भी ये अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म थे, जिसका अंत जानने के लिए फैंस भी बेकरार थे। आज रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों से वैसी ही प्रतिक्रिया मिली, जैसा अनुमान लगाया जा रहा था।

फिल्म ने ओपनिंग डे पर शानदार शुरुआत की है। इसने अब तक खबर लिखे जाने तक 66.75 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। बता दें कि इसके आंकड़ों में अभी और बढ़ोतरी होगी।

फिल्म दृश्यम 3 अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले अजय देवगन के



60

करोड़ का किया दमदार कलेक्शन

करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म सिंघम अगेन थी जिसने पहले दिन 43.70 करोड़ का कलेक्शन किया था।

अब दृश्यम 3 ने पहले दिन 66.75 करोड़ की कमाई कर ली है। अब दृश्यम 3 अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन चुकी है। रात तक इसके आंकड़ों में और भी बढ़ोतरी हो सकती है। ग्राफिक्स के जरिए देखिए

दृश्यम 3 से पहले अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली टॉप 5 फिल्में। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी दृश्यम 3: द कन्क्लूजन में अजय देवगन फैंचाइजी के मुख्य किरदार विजय सलगांवकर के रूप में वापसी की है। कास्ट में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी शामिल हैं। फिल्म को फैंचाइजी के आखिरी चैप्टर के तौर पर पेश किया गया है।

गांधी जयंती पर गांधी एंड माय मदर फिल्म की पहली झलक आई सामने

फिल्म गांधी एंड माय मदर के मेकर्स ने इसकी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें फिल्म की कहानी और उस दौर की झलक देखने को मिल रही है। इस फिल्म का निर्देशन सुधीर मिश्रा ने किया है। फिल्म की सामने आई तस्वीरों में उस दौर की झलक देखने को मिलती है, जिसमें गांधी एंड माय मदर की कहानी आधारित है। फिल्म महात्मा गांधी के जीवन और उनकी विरासत से जुड़ी है। हालांकि, फिल्म में महात्मा गांधी को सिर्फ इतिहास और राजनीति के नजरिए से दिखाने के बजाय उनकी ज़िंदगी के ज्यादा निजी और मानवीय पहलुओं पर फोकस किया

जाएगा। मेकर्स ने फिलहाल फिल्म की कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है। ऐसे में तस्वीरों के जरिए दर्शकों को सिर्फ फिल्म की दुनिया और उसके माहौल की एक झलक दी गई है।

मनोज बाजपेयी-वहीदा रहमान की जोड़ी ने खींचा ध्यान

फिल्म का निर्देशन सुधीर मिश्रा ने किया है। सुधीर अपनी फिल्मों में गहराई वाले किरदारों और जटिल रिश्तों को दिखाने के लिए जाने जाते हैं। गांधी एंड माय मदर में मनोज बाजपेयी और दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा दिव्या दत्ता और सौरभ शुक्ला भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की कहानी, बाकी के किरदारों और रिलीज डेट को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं दी है।



बाली में हुए हादसे के बाद नुसरत भरुचा की रीढ़ की हड्डी में हुआ फ्रैक्चर

छुट्टियां बिताने और काम के सिलसिले में बाली पहुंची एक्ट्रेस नुसरत भरुचा के लिए यह सफर एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। बाली में हुए एक एक्सीडेंट के बाद उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। फिलहाल एक्ट्रेस बाली के अस्पताल में भर्ती हैं और डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। उनके इलाज और स्वास्थ्य को लेकर उनकी टीम ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर जानकारी दी है। ऑफिशियल स्टेटमेंट के मुताबिक, नुसरत की आगे की जांच और मेडिकल असेसमेंट के

बाद रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की जाएगी। उनकी टीम उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए बाली से मुंबई ले आयी, यहां अब उनकी सर्जरी होगी। चोट की गंभीरता को देखते हुए नुसरत को ठीक होने के लिए पर्याप्त आराम की जरूरत होगी, जिसके चलते आने वाले कुछ हफ्तों में उनकी प्रोफेशनल कमिटमेंट्स प्रभावित हो सकती हैं। नुसरत भरुचा काम और छुट्टियों के सिलसिले में बाली गई थीं। इसी दौरान वह दुर्भाग्यवश एक हादसे का शिकार हो गई, जिसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया।

सलमान की मातृभूमि की रिलीज का रास्ता साफ !

सलमान खान की मचअवेटेड वॉर ड्रामा फिल्म मातृभूमि को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। रक्षा और सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म के नए वर्जन को हरी झंडी दिखाते हुए सिनेमाघरों में रिलीज के लिए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (हहह) जारी कर दिया है। 2020 के भारत-चीन गलवान टकराव पर बनी इस फिल्म को लेकर दोनों देशों के सुधरते रिश्तों के बीच रक्षा मंत्रालय को कुछ आपत्तियां थीं, जिसकी वजह से इसमें देरी हो रही थी। अब एनओसी मिलने के बाद मेकर्स इसे इसी साल दिवाली के मौके पर 13 नवंबर को रिलीज करने की तैयारी में जुट गए हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और चीन के बीच हालिया कूटनीतिक सुधारों को देखते हुए रक्षा मंत्रालय को फिल्म में चीन के संदर्भ और उसके कंटेंट पर कुछ एतराज थे। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक मेकर्स द्वारा जमा किए गए संशोधित वर्जन से I&B मंत्रालय के अधिकारी पूरी तरह संतुष्ट हैं और उन्होंने पिछले हफ्ते ही फिल्म को अनापत्ति प्रमाण पत्र सौंप दिया है। एनओसी मिलने के साथ ही सलमान खान ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अपनी



योजना पर काम शुरू कर दिया है। सूत्र बताते हैं कि सलमान 13 नवंबर की तारीख पर विचार कर रहे हैं। उनका मानना है कि दिवाली के तुरंत बाद का त्यौहारी माहौल और लोगों का जश्न का मूड इस देशभक्ति वॉर ड्रामा के लिए सबसे उपयुक्त रहेगा। सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो अगले 10 दिनों के अंदर रिलीज की आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

‘वाराणसी’ में प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा जोनास एसएस राजामौली की फिल्म ‘वाराणसी’ के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के रोल में, प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे। राजामौली ने बताया है कि कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी और फिर वापस अपनी शुरुआती जगह पर लौटेगी।



प्रियंका चोपड़ा ने फहद फासिल की फिल्म डोंट ट्रबल द ट्रबल को दिया अपना समर्थन

प्रियंका चोपड़ा ने फहद फासिल की तेलुगु फिल्म डोंट ट्रबल द ट्रबल को अपना समर्थन दिया है। इस फिल्म को एसएस कार्तिकेय ने प्रोड्यूस किया है और एसएस राजामौली ने इसे पेश किया है। जैसे ही फिल्म ने 2 अक्तूबर को बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की, अभिनेत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, इसे दुनिया के सामने आते देखकर बहुत खुशी हो रही है! कार्त, तुम्हें और ‘डोंट ट्रबल द ट्रबल’ की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं। ‘डोंट ट्रबल द ट्रबल’ में



फहद फासिल ने सूरी नाम के एक जादूगर का रोल किया है। उसकी दोस्ती सारा पालेकर नाम की एक युवा लड़की से हो जाती है। कहानी में एक फैंटेसी मोड़ तब आता है, जब उस लड़की में अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं। पता चलता है कि वह एक जिन्न है जो इच्छाएं पूरी कर सकती है।

यह फिल्म शशांक येलेटी के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। ‘एनिमल’ फिल्म के कलाकार सौरभ सचदेवा ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में फैंटेसी, एडवेंचर है। इसे परिवार के साथ देखने लायक बनाया गया है।

घरों को खास पहचान दे रही सौम्या मारुति

संवेदनाओं से रचनात्मक सोच के लिए इमर्जिंग इंटीरियर डिजाइनर अवॉर्ड से सम्मानित

» हीलिंग होम्स के जरिए सुरुचिपूर्ण डिजाइन में लोगों के व्यक्तित्व और जीवनशैली को दे रही जगह

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। घर की खूबसूरती केवल उसकी सजावट में नहीं, बल्कि उस अपनापन भरे अनुभव में भी होती है जो वहां रहने वाले लोगों को मिलता है, इसी सोच को अपने काम का आधार बनाने वाली लक्जरी इंटीरियर डिजाइनर और हीलिंग होम्स की संस्थापक सौम्या मारुति को नई दिल्ली में द टाइम्स ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित समारोह में इमर्जिंग इंटीरियर डिजाइनर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कई नामांकनों के बीच उनका चयन उनकी रचनात्मक सोच और डिजाइन यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सौम्या की डिजाइन दृष्टि की विशेषता है कि वे किसी स्थान की सुंदरता के साथ उसके उपयोग और वहां रहने वाले लोगों की भावनाओं को भी महत्व देती हैं।

उनके लिए घर केवल आकर्षक दिखने वाली जगह



यह पुरस्कार आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा : सौम्या

इस उपलब्धि पर सौम्या ने कहा कि यह पुरस्कार उनके अब तक के सफर का उत्सव होने के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी है। उनके अनुसार, असली लक्जरी केवल किसी स्थान में शामिल की गई वस्तुओं से तय नहीं होती, बल्कि उसके पीछे की सोच, बारीकियों और भावनाओं में होती है।

नहीं, बल्कि लोगों के व्यक्तित्व, पसंद और जीवनशैली की अभिव्यक्ति है। यही संवेदनशील दृष्टिकोण हीलिंग होम्स के काम को खास बनाता है। हीलिंग होम्स के माध्यम से सौम्या ऐसे आवासीय और व्यावसायिक स्थान तैयार करने पर ध्यान

देती हैं, जिनमें भव्यता के साथ सहजता भी हो। उनकी सोच में डिजाइन की सफलता इस बात से जुड़ी है कि लोग उस स्थान में कितना आरामदायक और अपनापन महसूस करते हैं। रंगों, सजावट और बारीकियों का चुनाव भी इसी उद्देश्य

40 अंडर 40 सम्मान भी किया हासिल

यह पुरस्कार सौम्या की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे पहले उन्हें 40 अंडर 40 सम्मान भी मिल चुका है। वे डार्क साइड ऑफ़ फ्री डिजाइन पुरस्कार की सह-लेखिका भी हैं। डिजाइन के व्यावहारिक काम के साथ लेखन से उनका जुड़ाव इस क्षेत्र के प्रति उनकी रुचि और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

को ध्यान में रखकर किया जाता है। लक्जरी इंटीरियर को मानवीय अनुभव से जोड़ने का यह दृष्टिकोण सराहनीय है। सौम्या का प्रयास हर स्थान को उसकी अपनी पहचान देना है, ताकि वह केवल सुंदर तस्वीर बनकर न रह जाए, बल्कि रोजमर्रा के जीवन का सुखद हिस्सा बने। हीलिंग होम्स की डिजाइन सोच में ऐसी खूबसूरती को महत्व मिलता है, जिसका आकर्षण समय के साथ भी बना रहे। सौम्या की यही सोच हीलिंग होम्स को एक सुंदर और स्पष्ट दिशा देती है—ऐसे स्थान बनाना, जिनमें सुरुचि हो, उपयोगिता हो और रहने वालों को अपना घर होने का एहसास मिले। अपनी जड़ों से जुड़े रहने और अपने मूल्यों को बनाए रखने का उनका विचार उनकी रचनात्मक यात्रा को और अर्थपूर्ण बनाता है।

भाजपा से डरते हैं टीवीके प्रमुख : एमके स्टालिन

» डीएमके प्रमुख का तंज- सीएम की तरह आचरण करें

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के प्रचार के दौरान सूबे का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। द्रविड़ मुनेत्र कण्गम (द्रमुक) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)—मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) विवाद पर चुप्पी साधने को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर तीखा हमला बोला है। स्टालिन ने तमिलनाडु वेनी कण्गम (टीवीके) के संस्थापक विजय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से डरने का गंभीर आरोप लगाया है। स्टालिन ने छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि टीवीके सरकार को समर्थन देने वाले दल भी सवाल कर रहे हैं कि विजय ने एसआईआर—सीईसी विवाद पर कुछ क्यों नहीं कहा।



टीवीके को बाहर से समर्थन दे रहे वाम दल कई मुद्दों को लेकर विजय के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, मुख्यमंत्री जी, आपको किस बात का डर है? जब देश भर के सभी नेता इस मुद्दे पर बोल रहे हैं, तो आप इस पर भी मुंह नहीं खोल पा रहे हैं, इसकी क्या वजह है? मुख्यमंत्री जी, क्या आप भाजपा से इतना डरते हैं? स्टालिन ने कहा कि कुछ दिन पहले यहां प्रचार करने आए विजय ने सच बोल दिया था। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने यह स्वीकार करके सच बोल दिया कि टीवीके भाजपा की एक शाखा है।

कर्नाटक में सूखे का संकट, केंद्र करे मदद

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी से 3705 करोड़ रुपये की मांगी मदद

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक में सूखे की गंभीर स्थिति का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि राज्य के लिए 3,705.30 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता तत्काल जारी की जाए। खरगे ने प्रधानमंत्री को एक अक्टूबर को लिखे गए पत्र की प्रति शनिवार को 'एक्स' पर साझा की और कहा कि वह गृह मंत्री अमित शाह को भी इस तरह का पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने पत्र में कहा कि कर्नाटक इस समय भीषण सूखे की चपेट में है और यह पिछले 150 वर्षों में राज्य में आया सबसे भयावह सूखा साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि महज तीन साल के भीतर राज्य को दूसरी बार ऐसे गंभीर सूखे का सामना करना पड़ रहा है। खरगे ने कहा



कि इस साल सितंबर तक कर्नाटक में सामान्य से 58 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है और सभी 31 जिले वर्षा की कमी से प्रभावित हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, राज्य के 240 तालुकों में से 217 में कम बारिश दर्ज की गई है, जबकि 101 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किया जा चुका है और 116 अन्य तालुकों का आकलन किया जा रहा है। उनका कहना है कि राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान दूसरी सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। खरगे के अनुसार,

31 लाख से अधिक किसानों की आजीविका प्रभावित

खरगे ने कहा कि 31 लाख से अधिक किसान परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई है। 709 गांवों और 114 शहरी वार्डों में टैकरो के जटिए पेयजल की आपूर्ति की जा रही है, जबकि 18 तालुकों में चारे का भंडार 20 सप्ताह से भी कम समय के लिए बचा है। खरगे ने प्रधानमंत्री से छह प्रमुख मांगों पर तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया है। इनमें कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में सूखे से हुए नुकसान का जमीनी आकलन करने के लिए केंद्रीय दल भेजना और राज्य द्वारा मांगी गई 3,705.30 करोड़ रुपये की पूरी सहायता जारी करना शामिल है। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों के लिए लागत पर रियायत की गणना कर्नाटक के अद्यतन 'भूमि' भू-अभिलेखों के आधार पर करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि 2015-16 की कृषि जनगणना के पुराने आंकड़ों के आधार पर सहायता दिए जाने से प्राज किसान लाभ से वंचित हो सकते हैं।

19.52 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसल नुकसान का आकलन किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 18,748.23 करोड़ रुपये है। राज्य सरकार ने सूखे से कुल आर्थिक नुकसान करीब 40,000 करोड़ रुपये आंका है।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग व अवैध तस्करी के खिलाफ लोगों को किया जागरूक

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), महानगर लखनऊ की ओर से मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से आमजन, खासकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशीले पदार्थों से दूर रहने का संदेश दिया गया।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त प्रवीण कुमार बाली ने हरी झंडी दिखाकर रैली को खाना किया। रैली महानगर स्थित केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो कार्यालय से शुरू होकर बादशाह नगर रेलवे स्टेशन, आईटी कॉलेज चौराहा और पुरानिया होते हुए पुनः कार्यालय परिसर में पहुंचकर समाप्त हुई। रैली का नेतृत्व सुप्रीटेंडेंट प्रिवेंटिव करुण बिलग्रामी ने किया।

पुरुष क्रिकेट टीम ने दिलाया 19वां स्वर्ण

» एशियन गेम्स में भारत ने पाकिस्तान को 19 रनों से हराया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

निशिन। एशियन गेम्स 2026 में एक और स्वर्ण आ गया है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण जीत लिया है। भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के फाइनल में छह विकेट पर 211 रन बनाए थे। यह टी20 में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा टोटल था। भारत ने 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 2012 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 192 रन बनाए थे। भारत के लिए अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाए।

अभिषेक ने 28 गेंद में तीन चौके

और सात छक्के की मदद से 61 रन की पारी खेली। वहीं, तिलक ने 22 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान का 17 ओवर के बाद स्कोर चार विकेट पर 160 रन था। उन्हें आखिरी 18 गेंद में 52 रन की जरूरत थी। तब हसन नवाज और अब्दुल समद क्रीज पर थे। सुंदर ने 18वें ओवर में केवल आठ रन दिए और अब्दुल समद का विकेट लिए। आखिरी 18 गेंद में पाकिस्तान को 44

रन बनाने थे। नवाज 80 रन और साद मसूद छह रन बनाकर क्रीज पर थे। 19वां ओवर बुमराह ने किया। उन्होंने केवल 11 रन दिए। इस तरह आखिरी छह गेंद में पाकिस्तान को 33 रन की दरकार थी। शिवम दुबे गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने हसन



युजवेंद्र चहल ने किया संन्यास का एलान

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शुक्रवार को प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। चहल ने इस्टर्नान पोस्ट के जरिये प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा की। हालांकि, उन्होंने भारत के लिए खेलने की इच्छा जाहिर की है। चहल पिछले कुछ समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। चहल को भारत के लिए टेस्ट खेलने का कमी मौका नहीं मिला। चहल ने अपने करियर में 49 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें उन्होंने 32.27 की औसत से 148 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/25 रहा। उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच लॉर्ड्स में खेला। यह करते हुए भावुकता महसूस होती है क्योंकि टेस्ट का पाना हमेशा से मेरा सपना रहा था, जिसे मैंने कई वर्षों तक संजोकर रखा था। भले ही वह सपना पूरा न हो सका, लेकिन मैं अपने इस सफर से सचमुच संतुष्ट हूँ और इस प्रारूप में मिले हर मौके के लिए बेस्ट शुक्रनुजार हूँ।

नवाज और पाकिस्तान को केवल 13 रन बनाने दिए। आखिरी गेंद पर नवाज आउट भी हुए। नवाज शतक से चूक गए। वह 51 गेंद में 96 रन बनाए।

सत्य के साथ एकजुट होकर खड़ा होना बड़ी ताकत : राहुल गांधी

» राहुल गांधी ने शुरू की नई पहल, संघर्ष कर रहे लोगों को एक मंच पर लाएंगे नेता प्रतिपक्ष ने लॉन्च किया 'सत्याग्रह' अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को एक मंच पर जोड़ने के उद्देश्य से कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'सत्याग्रह' नामक नई पहल शुरू की है। इस अभियान के तहत लोग अपनी समस्याओं, आंदोलनों और संघर्षों की जानकारी एक ऑनलाइन मंच पर साझा कर सकेंगे। कांग्रेस का कहना है कि इससे देशभर में चल रहे आंदोलनों



को एक-दूसरे से जोड़ने, उनकी आवाज को मजबूत करने और संबंधित मुद्दों को राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर उठाने में मदद मिलेगी। राहुल गांधी ने 'सत्याग्रह' अभियान की

ऑनलाइन मैप पर जुड़ेंगे संघर्ष

इस पहल के तहत लोगों से अपने आंदोलन या संघर्ष की जानकारी साझा करने की अपील की गई है। राहुल गांधी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, जो किसी अन्याय के खिलाफ लड़ रहा है, वह अपनी कहानी साझा कर सकता है, इसके बाद उसकी कहानी एक डिजिटल मैप पर दिखाई जाएगी। उनका कहना है कि इससे लोगों को यह भी पता चल सकेगा कि देश के अन्य हिस्सों में कौन-कौन समान मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहा है।

लोगों से भागीदारी की अपील

कांग्रेस ने लोगों से सत्याग्रह वेबसाइट पर जाकर अपने आंदोलन की जानकारी दर्ज करने का आग्रह किया है। पार्टी ने कहा कि आंदोलन से जुड़ी जानकारी अपलोड करने के बाद संबंधित लोगों से संपर्क किया जाएगा और उनकी बात सुनी जाएगी। कांग्रेस ने दावा किया कि वह सत्य और न्याय की लड़ाई में लोगों के साथ खड़ी रहेगी और जहां संभव होगा, वहां सहयोग भी प्रदान करेगी।

घोषणा करते हुए कहा कि देशभर में लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अक्सर वे अकेले लड़ते हैं और उनकी आवाज दब जाती है। उन्होंने कहा कि

छात्र, युवा, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं और अन्य समुदाय अलग-अलग मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में इन आवाजों को एक मंच पर लाना जरूरी है। राहुल गांधी

देशभर में सच को दबाने की कोशिश की जा रही

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि देशभर में सच को दबाने की कोशिश की जा रही है। पार्टी ने कहा कि जमीन के अधिकार, महिलाओं के अधिकार, दलित और ओबीसी अधिकार, शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर लोग लगातार आवाज उठा रहे हैं। कांग्रेस के अनुसार 'सत्याग्रह' अभियान का उद्देश्य इन सभी संघर्षों को एक साझा मंच पर जोड़ना और देशभर के लोगों के साथ मिलकर उनके मुद्दों को आगे बढ़ाना है।

राहुल गांधी ने इस पहल को अपनी सार्वजनिक और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में जहां भी सत्य को दबाया जा रहा है, वहां लोगों की मदद करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सत्य केवल बड़े राष्ट्रीय मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के हर गांव, कस्बे और शहर में चल रहे संघर्षों से भी जुड़ा हुआ है।

ने कहा कि महात्मा गांधी ने सिखाया था कि सत्य सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन सत्य के साथ एकजुट होकर खड़ा होना उससे भी बड़ी ताकत है।

सीईसी ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे : दिपके

» सीजेपी के मुंबई आंदोलन में उमड़ी भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीजेपी ने अब घोषणा की है कि अगर ज्ञानेश कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर फिर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने मुंबई के शिवाजी पार्क में हुए प्रदर्शन के बाद यह ऐलान किया पुलिस की ओर से अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शिवाजी पार्क में बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में पहुंचे।

दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो देशभर से सीजेपी के समर्थक दिल्ली पहुंचकर 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने इसे शांतिपूर्ण आंदोलन बताते हुए उन लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं। दिपके ने कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा और वे महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलेंगे। उन्होंने कहा कि अब यह सरकार और दिल्ली पुलिस पर निर्भर है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करते हैं या 20 जुलाई को हुई कथित कार्रवाई जैसी स्थिति



टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने किया सीजेपी का समर्थन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन को समर्थन दिया है। कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने सीजेपी युवाओं और छात्रों के आंदोलन के समर्थन की बात कही। उन्होंने कहा कि वह सीजेपी और युवा पीढ़ी के साथ पूरी तरह खड़ी हैं और ऐसी कथित ग्यादतियों को रोकने की अपील करती हैं। ममता बनर्जी ने अगस्त में भी दिल्ली में मैडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर सीजेपी के प्रदर्शन का समर्थन किया था। अहम बात यह भी है कि ममता के साथ-साथ शिवसेना और आम आदमी पार्टी ने भी सीजेपी को सपोर्ट किया है।

दोहराते हैं। उन्होंने इस आंदोलन को लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताया और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव चाहने वाले नागरिकों से इसमें शामिल होने

की अपील की। इससे पहले शिवाजी पार्क में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए अभिजीत दिपके ने कहा था कि अगर



दिल्ली और मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा है। पुलिस ने जेल बोरा समेत 700 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

की आलोचना करने के लिए एक पूरा खुद को लिबरल कहने वाला इकोसिस्टम सक्रिय हो गया है यह आलोचना इसलिए हो रही है क्योंकि वे बहुत लंबे समय बाद लाखों भारतीयों का ध्यान अपनी ओर खींचने में कामयाब रहे हैं। मजेंदार बात यह है कि यह इकोसिस्टम सिर्फ ट्विटर पर ही मौजूद है, लेकिन फिर भी उन्हें लगता है कि वे ही लोकतंत्र के एकमात्र रक्षक हैं।



चुनाव आयोग के खिलाफ मुंबई में उतरेगा संयुक्त विपक्ष : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने 3 अक्टूबर को घोषणा की कि विपक्षी पार्टियां भारत के चुनाव आयोग के विरोध में मुंबई में एक बड़ा संयुक्त मार्च आयोजित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के रूट को लेकर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बीच बातचीत हुई थी। राउत ने बताया कि लॉजिस्टिकल कारणों से मार्च के रूट को मूल योजना से बदल दिया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि शेतकारी कामगार पक्ष (पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी), नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों ने इस प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया है।

संजय राउत ने कहा कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने इस पर चर्चा की है। हमने कल शिवाजी पार्क में विरोध प्रदर्शन देखा और लोगों में काफी गुस्सा था। शेतकारी कामगार पक्ष ने भी अपना समर्थन देने की घोषणा की है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ने भी समर्थन दिया है। कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां भी हमारे साथ हैं। राउत ने इन घटनाक्रमों को चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट विपक्षी मोर्चा बनाने की तैयारी बताया। विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों की मीडिया कवरेज पर बात करते हुए, राउत ने कहा कि जिन मीडिया संस्थानों को अक्सर गोदी मीडिया कहा जाता है, वे भी सरकार विरोधी प्रदर्शनों को जगह दे रहे हैं, जो देश में बदलते राजनीतिक माहौल को दर्शाता है। राउत ने केंद्र सरकार और बीजेपी लीडरशिप में संभावित बदलावों के बारे में भी कई बातें कहीं और भविष्यवाणी की कि जनवरी तक बड़े राजनीतिक उलटफेर हो सकते हैं।

» सभी दलों में बातचीत पूरी सब तैयार



तिरुपति में दवा की फैक्ट्री में बॉयलर फटा, 5 की मौत, 10 से ज्यादा घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में शनिवार तड़के बड़ा औद्योगिक हादसा हो गया। श्री सिटी स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) स्थित एक निजी फार्मास्युटिकल यूनिट में बॉयलर फटने से कम से कम पांच कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसे में 10 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

घटना सत्यवेडु मंडल में स्थित टिल हेल्थकेयर की फार्मास्युटिकल मैनुफैक्चरिंग यूनिट में हुई। यह कंपनी टैबलेट बनाने का काम करती है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हादसे के वक्त कर्मचारी नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि नाइट शिफ्ट के दौरान अचानक बॉयलर में विस्फोट

हो गया। धमाके के बाद औद्योगिक इकाई के अंदर भीषण आग फैल गई। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट में पांच कर्मचारियों की मौत की जानकारी सामने आई है, जबकि 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को तत्काल बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

फिलहाल उनकी हालत को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस, आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने परिसर को सुरक्षित करने के साथ ही आग से प्रभावित और अंदर फंसे कर्मचारियों की मदद की।

आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ कांग्रेस में शामिल

» राहुल गांधी की ईमानदारी व 'वोट चोरी' मुद्दे की तारीफ की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। प्रियंका कक्कड़ लंबे समय से आप से जुड़ी थीं और 2013 में पार्टी में शामिल होने के बाद कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुकी हैं। 2023 में उन्हें आप का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बनाया गया था।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रियंका कक्कड़ ने आप छोड़ने की वजह बताते हुए पार्टी की शुरुआती नीतियों और बाद के तौर-तरीकों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वह ऐसे मोड़ पर पहुंच गई थीं, जहां अब उन बातों का बचाव करना संभव नहीं



था, जिनका बचाव किया ही नहीं जा सकता। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि आप ने शुरुआत में जनता से बंगला और गाड़ी नहीं लेने की बात कही थी, लेकिन बाद में पार्टी के नेताओं के लिए अलग तरह की राजनीतिक संस्कृति दिखाई देने लगी। उन्होंने प्राइवेट ट्रेवल के लिए चॉपर इस्तेमाल किए जाने का भी जिक्र किया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद कक्कड़ ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए उनके लचीलेपन और ईमानदारी का जिक्र किया।

राहुल गांधी से मिले स्वामी प्रसाद

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के कांग्रेस में शामिल होने की खबर सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक स्वामी प्रसाद मौर्य आज (शनिवार) को राहुल गांधी से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद, अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी अनी राष्ट्रीय स्तर पर एसी,एसटी और पूरे देश से जुड़े मुद्दों को उठा रहे हैं और इन मुद्दों के लिए सक्रिय रूप से लड़ रहे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश में इन्हीं मुद्दों पर काम कर रहा हूँ।

